

प्रेषक,

एम0एम0 सेमवाल,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उच्च शिक्षा,  
हल्द्वानी, नैनीताल।

शिक्षा अनुभाग-7 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक 14 नवम्बर, 2017

विषय:- वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-11 के राजस्व पक्ष में पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-डिग्री बजट/पुनर्विनियोग/7868/2017-18, दिनांक 24.08.2017 तथा संख्या डिग्री बजट/8875/2017-18, दिनांक 22.09.2017 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में राजस्व पक्ष के लेखाशीर्षक-2202-03-001-03-उच्च शिक्षा निदेशालय के 17-किराया उपशुल्क एवं कर स्वामित्व मद में हो रही बचत की धनराशि को इसी लेखाशीर्षक के 09-विद्युत मद में रू0 2.99 लाख (रू0 दो लाख निन्यानवे हजार मात्र) की धनराशि संलग्न प्रपत्र बी0एम0-09 के अनुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृत करते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त व्यय के भुगतान के सम्बन्ध में निर्धारित समस्त दिशा निर्देशों एवं प्रक्रिया का पालन किया जाना होगा।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-2018 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 11 के अधीन राजस्व पक्ष के लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-उच्च शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-09 प्रपत्र के कालम-7 में इंगित योजनाओं में उल्लिखित योजनाओं की बचतों से उक्त में उल्लिखित विवरणानुसार वहन की जायेगी।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 97(म0)XXVII(3)2017-18 दिनांक 09.11.2017 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न: यथोपरि।

भवदीय,

(एम0एम0 सेमवाल)  
संयुक्त सचिव।

पु०सं० 796 (1)/xxiv(7)/19(2)/2017 तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2-निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्य, 23-लक्ष्मी रोड देहरादून।
- 3-कोषाधिकारी हल्द्वानी-नैनीताल।
- 4-वित्त अधिकारी, उच्च शिक्षा निदेशालय हल्द्वानी।
- 5-निदेशक एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड।
- 6-बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय देहरादून।
- 7-वित्त अनु०-3/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
- 8-विभागीय आदेश पुस्तिका।

आज्ञा से,

(शिवस्वरूप त्रिपाठी)  
अनु सचिव।